



कयामत की रात तक होगा मस्जिद का जिक्र...बाबरी विध्वंस की बरसी पर गरजे ओवैसी, RSS पर किया बड़ा हमला

Babri Masjid: असदुद्दीन ओवैसी बाबरी विध्वंस की बरसी पर बड़ा बयान सामने आया है। एक्स पर उनके बयान का वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में जब तक दुनिया रहेगी...तब तक बाबरी मस्जिद का जिक्र करते रहेंगे। Asaduddin Owaisi on Babri Masjid: AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बाबरी मस्जिद गिराए जाने की बरसी पर एक अहम बयान दिया। शनिवार को अपने ऑफिशियल X हैंडल पर शेयर किए गए एक वीडियो में ओवैसी ने कहा, “संघ परिवार वालों को सुन लेना चाहिए: जब तक दुनिया रहेगी, हम

भारत में बाबरी मस्जिद की शहादत को याद करते रहेंगे।” आपको बता दें कि बाबरी मस्जिद के विध्वंस की बरसी पर उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के साथ ही सारे देशभर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। इस बीच असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आ गया। एक्स पर उनके बयान का वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में जब तक दुनिया रहेगी...तब तक बाबरी मस्जिद का जिक्र करते रहेंगे। लिखा है। साथ में #NeverForgetBabri हैशटैग का इस्तेमाल भी किया गया है।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को | 69वें महापरिनिर्वाण दिवस पर चैत्यभूमि में सैकड़ों हजारों ने अभिवादन

महापरिनिर्वाण दिवस: चैत्यभूमि पर उमड़ा जनसैलाब, राज्यपाल और सीएम ने आंबेडकर के योगदान को किया याद

● संवाददाता, मुंबई

मुंबई, 6 दिसंबर 2025 — 69वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर, देश-विदेश से आए अनुयायियों ने मुंबई के दादर स्थित चैत्यभूमि पर सघन भीड़ जुटाकर संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को भावभीनी श्रद्धांजलि एवं अभिवादन अर्पित किया। सुबह से ही “जय भीम” के उद्धोषों और नारों के बीच पूरा परिसर श्रद्धा-सुमन और आदर में डूबा रहा।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख नेताओं में शामिल थे — देवेंद्र फडणवीस (मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र), आचार्य देवव्रत (राज्यपाल), एकनाथ शिंदे (उपमुख्यमंत्री), तथा अन्य गणमान्य सामाजिक-राजनीति हस्तियाँ।



बाबासाहेब आंबेडकर को नमन करते राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्री शिंदे व अन्य

इनमें से कई ने स्मारक पर पुष्पांजलि दी और आंबेडकर के सामाजिक और संवैधानिक योगदान को याद किया। फडणवीस ने कहा कि आंबेडकर ने जिस संविधान और समानता-न्याय का

आधार तैयार किया, वह आज भी हमारे लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने समता, सामाजिक न्याय और समान अवसरों की उपलब्धियों को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि आने

वाले समय में चैत्यभूमि और अन्य स्मारकों का संवर्धन प्राथमिकता बनेगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ हेतु पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा व यातायात प्रबंधन की

विशेष व्यवस्था की गई थी। शहर के विभिन्न हिस्सों से सार्वजनिक परिवहन व विशेष बसों की सेवाएं बढ़ाई गई थीं ताकि श्रद्धालुओं की आवागमन सुगम रहे।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने आंबेडकर के विचार — सामाजिक न्याय, समानता व मानव गरिमा — को अपनाने का संकल्प लिया। इस महापरिनिर्वाण दिवस ने एक बार फिर याद दिलाया कि भारत के संविधान के आदर्श और सामाजिक समानता की लड़ाई अभी पूरी नहीं हुई है। उनके सपनों को साकार करने की दिशा में कदम उठाने का आह्वान हर नागरिक के लिए प्रासंगिक बना हुआ है।

जयस्वी जयस्वाल के शतक से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से रौंदा — सीरीज 2-1 से हासिल

विशाखापट्टनम, 6 दिसंबर 2025 — तीसरे वनडे में Yashasvi Jaiswal के शानदार पहले ODI शतक की बदौलत भारत ने South Africa national cricket team को 9 विकेट से हराकर तीन-मैच सीरीज 2-1 से अपने नाम की। Jaiswal ने नाबाद 116 रन बनाए, जबकि Rohit Sharma ने 75 व Virat Kohli ने 65 नाबाद रन बनाए। टीम ने 271 रनों के लक्ष्य को मात्र 39.5 ओवर में ही पूरा कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में अहम वापसी की।

मुर्शिदाबाद में 'Babri Masjid' की नींव: Humayun Kabir ने विवादित फैसला लिया — पश्चिम बंगाल में सियासी भूचाल

मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), 6 दिसंबर 2025 — निर्लंबित विधायक Humayun Kabir ने शनिवार को बेलडांगा में 'Babri Masjid' नामक मस्जिद की आधारशिला रखकर राजनीतिक हलचल भड़काई। उन्होंने ईंटें लेकर पहुंचे समर्थकों के साथ निर्माण स्थल पर फीता काटा, जिससे इलाके में तनाव फैल गया।

कबीर ने सभा में कहा कि यह निर्माण संविधान द्वारा दी गई धार्मिक स्वतंत्रता का हिस्सा है और इसे रुकाया नहीं जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, “कोई अवैध कार्य नहीं कर रहा हूँ — मंदिर, चर्च या मस्जिद सभी का निर्माण संभव है।”



इस कदम के विरोध में, उनके ही पार्टी Trinamool Congress (TMC) ने उन्हें निर्लंबित कर दिया है। पार्टी का कहना है कि यह जुबानी बयान व छलावा राजनीति है।

पिछले दिन ही केंद्र व राज्य स्तर सुरक्षा बलों को मुर्शिदाबाद भेजा गया था। घटनास्थल पर भारी पुलिस, खालीबल बल तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है, ताकि कानून और व्यवस्था बनी रहे। विरोधी दलों और

नागरिकों में इस आधारशिला रखने की कवायद को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। कई विरोधियों ने इसे चुनावी वोट बैंक की राजनीति करार दिया है, जबकि कुछ धार्मिक नेताओं व संगठनों ने इसे संवेदनशील मसला बताया है।

यह कदम पश्चिम बंगाल की राजनीतिक व सामाजिक स्थिति में नई चुनौतियाँ ला सकता है। जैसा कि मामला अब अदालत और प्रशासन के संज्ञान में है, अगले कुछ दिनों में स्थिति पर नजर बनी हुई है।



जैश-ए-मोहम्मद ने 5,000 महिलाओं को ऑनलाइन कोर्स में शामिल किया, 500 रुपये में दी जा रही 'जिहादी' ट्रेनिंग

नई दिल्ली (वृत्त संस्था), 6 दिसंबर 2025 — पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन Jaish-e-Mohammed (जैश) ने अपनी नई महिला विंग Jamaat ul Mominaat के जरिए 5,000 से अधिक महिलाओं को रिक्रूट किया है। इन महिलाओं को 40-मिनट की ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल किया जा रहा है, जिसका नाम 'Tufat

al-Muminat' रखा गया है। हर प्रतिभागी से लगभग 500 रुपये (पाकिस्तानी रूपए) शुल्क लिया जा रहा है।

संगठन का दावा है कि इनClasses के माध्यम से महिलाएं धार्मिक और कट्टरपंथी विचारों के लिए तैयार की जा रही हैं, बाद में उन्हें फिदायीन या आत्मघाती हमलों के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों ने इस

साजिश को 'डिजिटल जिहाद' का रूप बताते हुए चेतावनी दी है कि यह भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। सरकार और खुफिया एजेंसियाँ इस ऑनलाइन भर्ती-प्रक्रिया पर बारीकी से नजर बनाए हुए हैं, और ऐसी महिला ब्रिगेडों के संभावित फिदायीन हमलों को रोकने के लिए कड़ी सतर्कता बरत रही हैं।



केरल में कांग्रेस-BJP-लेफ्ट का चौकाने वाला गठबंधन — चुनावी रणनीति या मास्टरस्ट्रोक?

एक असाधारण राजनीतिक गठबंधन कर चुनाव लड़ने जा रही हैं। यह गठबंधन उन सभी राजनीतिक मान्यताओं को पीछे छोड़कर सामने आया है, जो कई दशकों से पार्टियों के बीच विरोध का कारण रही थीं।

इस बार यह गठबंधन विशेष रूप से Twenty20 नामक कॉर्पोरेट-समर्थित पार्टी की बढ़ती ताकत को चुनौती देने के मकसद से हुआ है। Twenty20, जो एक कॉर्पोरेट समूह की ब्रांच है, पिछले कुछ वर्षों में कई पंचायतों पर कब्जा करके अपनी पकड़ मजबूत कर चुकी है। कांग्रेस, BJP और CPI-M ने मिलकर लोकल-बॉडी चुनावों के लिए कई सीटों पर संयुक्त (निर्दलीय) उम्मीदवार

उतारे हैं, ताकि Twenty20 और उसकी गतिविधियों को रोका जा सके। इस 'पलटफार' रणनीति को राजनीतिक जानकारों ने “मास्टरस्ट्रोक” कहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि इस गठबंधन से केरल की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है — जहाँ विचारधारा से ज्यादा, सामूहिक रणनीति और स्थानीय राजनीति की यथार्थता को अहमियत मिल रही है। हालांकि, इस असामान्य साझेदारी को लेकर कई सवाल भी उठ रहे हैं: क्या यह सिर्फ चुनावी दांव है, या दीर्घकालीन राजनीतिक समीकरणों में बदलाव की शुरुआत?

कुछ विश्लेषक इस कदम को वाम-दक्षिण और मध्यवर्ग-कॉर्पोरेट राजनीति के उलटवाट के रूप में देख रहे हैं। लेकिन जिस तरह से तीनों पार्टियों ने पारंपरिक विरोधी रेखाओं को छोड़ कर हाथ मिलाया है, उससे यह साफ दिख रहा है कि चुनावी जीत के लिए सोच-विचार के बजाय सामूहिक रणनीति को प्राथमिकता दी जा रही है।

देखना होगा कि 9 व 11 दिसंबर 2025 को होने वाले चुनावों में यह राजनीतिक प्रयोग कितना कारगर साबित होता है, और केरल की जनता इस साथ को किस रूप में देखती है।

केरल,(वृत्त संस्था) 6 दिसंबर 2025 — आगामी स्थानीय निकाय (लोकल बॉडी) चुनावों से पहले राज्य की मुख्य राजनीतिक पार्टियाँ — Bharatiya Janata Party (BJP), Indian National Congress (कांग्रेस) और Communist Party of India (Marxist) (CPI-M / लेफ्ट) —

6 दिसंबर: क्यों मनाया जाता है 'ब्लैक डे'?

संपादकीय |

सामाजिक सौहार्द को समझने और सहेजेने की आवश्यकता

6 दिसंबर 1992 का दिन भारत के इतिहास में गहरी चोट के रूप में दर्ज है। इसी दिन अयोध्या स्थित 16वीं शताब्दी में निर्मित बाबरी मस्जिद का ढांचा ढहा दिया गया था। इस घटना के बाद देश के कई हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव, हिंसा और अविश्वास का ऐसा दौर शुरू हुआ, जिसकी स्मृति आज भी समाज के मन में जिंदा है। इसी कारण मुस्लिम समुदाय इस तारीख को “ब्लैक डे” के रूप में याद करता है—एक ऐसी घटना के प्रतीक के रूप में जिसने उनके धार्मिक विश्वास, संवैधानिक अधिकार और सामाजिक सुरक्षा की भावना को गहरा आघात पहुंचाया।

बाबरी मस्जिद का निर्माण 1528 में मुगल सेनापति मीर बाकी द्वारा कराया गया था। आज़ादी के बाद दशकों तक यह स्थल विवादित माना गया, जिसमें हिंदू पक्ष इसे भगवान राम का जन्मस्थान बताते रहे, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे ऐतिहासिक मस्जिद के रूप में मानता रहा। यह विवाद, जो न्यायालयों और राजनीतिक मंचों में चलता रहा, आखिरकार 1992 में एक बेहद हिंसक मोड़ पर पहुंचा। विशाल भीड़ द्वारा ढांचा गिराया जाना केवल एक धार्मिक स्थल का विध्वंस नहीं था, बल्कि यह भारत के संवैधानिक लोकतंत्र, विधि-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द के लिए बड़ी परीक्षा साबित हुआ।

ध्वंस के बाद कई राज्यों में दंगे, जान-माल की हानि और गहरा सामाजिक विभाजन देखा गया। इसी त्रासदी की स्मृति से जुड़ा हुआ यह दिन मुस्लिम समुदाय के लिए शोक और आत्मचिंतन का दिन बन गया है। 6 दिसंबर को “ब्लैक डे” कहना किसी धर्म के विरुद्ध नाराजगी नहीं, बल्कि एक ऐसी ऐतिहासिक घटना की याद है, जिसमें समुदाय की धार्मिक पहचान को ठेस पहुंची और देश में सांप्रदायिकता का अंधेरा गहरा हुआ।

समय के साथ न्यायपालिका ने इस मामले पर अपना निर्णय दिया। नवंबर 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने विस्तृत सुनवाई के बाद विवादित भूमि राम मंदिर निर्माण के लिए देने और मुस्लिम पक्ष को मस्जिद निर्माण हेतु अन्य स्थान पर पाँच एकड़ भूमि आवंटित करने का आदेश दिया। अदालत के इस फैसले को मुस्लिम समाज ने कानूनी मर्यादा के प्रति सम्मान के साथ स्वीकार किया, लेकिन 6 दिसंबर का भावनात्मक महत्व अपने ऐतिहासिक संदर्भों में आज भी बरकरार है।

आज का भारत आगे बढ़ रहा है—सड़कों, तकनीक, अर्थव्यवस्था और वैश्विक पहचान के नए रास्ते खोल रहा है। लेकिन सामाजिक सौहार्द के बिना यह विकास अधूरा है। अतीत के घावों को समझकर, उनसे सीख लेकर और एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हुए ही हम एक मजबूत, शांतिपूर्ण एवं समावेशी समाज की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

इसलिए 6 दिसंबर हमें केवल एक घटना की याद नहीं दिलाता—यह हमें सचेत करता है कि धर्म, राजनीति और समाज के बीच संतुलन कितना आवश्यक है। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि न्याय, संवेदनशीलता और संवाद किसी भी लोकतंत्र की असली शक्ति हैं। अतीत की त्रासदी को याद करते हुए भी वर्तमान और भविष्य को स्थिर एवं सौहार्दपूर्ण बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है।

Indigo Crisis: चिड़िया उड़, तोता उड़, इंडिगो?... कमेडियन ने लिए मजे तो यूजर ने कहा- फेविकोल की तरह चिपक गई है

● (वृत्त संस्था)

नई दिल्ली: इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट उड़ने का नाम नहीं ले रही हैं। शनिवार को लगातार 5वें दिन यात्रियों को परेशानी हुई। आज शनिवार को भी इंडिगो की 400 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल हो चुकी हैं। एयरपोर्ट पर यात्री परेशान नजर आ रहे हैं। वहीं सरकार ने भी इस समस्या के समाधान की कोशिशें तेजी कर दी हैं। दूसरी तरह इंटरनेट पर लोग इंडिगो एयरलाइन के मजे ले रहे हैं। एक स्टैंडअप कमेडियन ने लिंकडइन पर इंडिगो से जोड़ते हुए 'चिड़िया उड़, तोता उड़...' की पोस्ट डाली जो वायरल हो गई।



स्टैंडअप कमेडियन पोस्ट में लिखा था, पूछना चाहते हैं कि 'चिड़िया उड़, तोता उड़, इंडिगो?।' उनकी इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी खूब मजे लिए हैं। भारत की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन इंडिगो एक बड़े हैं। इस पोस्ट में हर्षित

Netflix WBD Deal वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी अब नेटफ्लिक्स की

Netflix WBD Deal: वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी अब नेटफ्लिक्स की, जानिए कितने में हुई डील, भारत पर क्या होगा असर

● (वृत्त संस्था)

नई दिल्ली: वैश्विक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स (Netflix), हॉलीवुड की मशहूर कंपनी वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (WBD) को खरीदने जा रही है। यह डील 82 बिलियन डॉलर से भी ज्यादा की बतायी जाती है। माना जा रहा है कि इससे नेटफ्लिक्स के कंटेंट में और भी जान आ जाएगी। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत में साल 2027 में होने वाले महत्वपूर्ण क्रिकेट मैच के प्रसारण अधिकार (Cricket rights) किसके पास जाएंगे, यह एक बड़ा गेमचेंजर साबित हो सकता है।



क्या है डील ग्लोबल टीवी नेटवर्क को से एक, वार्नर ब्रदर्स, का यह डील 82.7 अरब एक नई कंपनी, कंट्रोल मिल जाएगा। डॉलर की है, जिसमें डिस्कवरी ग्लोबल, के इससे नेटफ्लिक्स एक बहुत बड़ी ग्लोबल एंटरटेनमेंट कंपनी बन गई है। इस डील के को हॉलीवुड के सबसे जाने-माने स्टूडियोज में तहत, WBD अपनी

क्यों आया यह संकट?

क्या है इंडिगो का मामला?

ऑपरेशनल संकट में फंस गई है। कल यानी शुक्रवार को इंडिगो की 1000 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हुई थीं। आज शनिवार को अभी तक 450 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। हजारों यात्री देश के विभिन्न एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। आज लगातार 5वां दिन है जब इंडिगो के यात्रियों को फ्लाइट कैंसिलेशन का सामना करना पड़ रहा है।

कब पूरा होगा अलगाव

जब यह अलगाव (spin-off) 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा हो जाएगा, तो नेटफ्लिक्स वार्नर ब्रदर्स के फिल्म और टीवी स्टूडियोज के साथ-साथ HBO और HBO Max स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म को भी अपने कंट्रोल में ले लेगा। नेटफ्लिक्स को उम्मीद है कि अगले तीन सालों में हर साल 2 से 3 अरब डॉलर की बचत होगी। साथ ही, यह डील दूसरे साल से नेटफ्लिक्स की प्रति शेयर कमाई (earnings per share) को भी बढ़ाएगी। इस डील के पूरा होने में 12 से 18 महीने लग सकते हैं।



Zero Balance Account: जीरो बैलेंस बैंक अकाउंट वालों को मिलेंगी ढेर सारी फ्री की सुविधाएं, RBI ने बैंकों को दिया 7 दिन का समय

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने जीरो बैलेंस वाले बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (BSBD) अकाउंट्स के लिए फ्री सुविधाओं का दायरा बढ़ा दिया है। रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया है कि वे इन खातों को कोई 'कमतर' या 'काम-चलाऊ' विकल्प न मानें, बल्कि इन्हें भी नॉर्मल सेविंग्स अकाउंट जैसी ही सर्विस दें। अगर कोई लिखित या ऑनलाइन अर्जी देता है, तो बैंक को 7 दिनों में सेविंग्स अकाउंट को BSBD में बदलना होगा। ये निर्देश अगले साल 1 अप्रैल से प्रभावी होंगे।

इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक बैंकों को यह भी कहा गया है कि अगर कोई ग्राहक रिक्वेस्ट करता है, तो उसके मौजूदा सेविंग्स अकाउंट को भी बीएसबीडी अकाउंट में बदल दिया जाए।

नए नियमों के मुताबिक, हर बीएसबीडी अकाउंट में कैश जमा करने, ऑनलाइन या चेक से पैसा मंगाने की सुविधा होनी चाहिए। साथ ही, महीने में कितनी भी बार पैसा जमा करने पर कोई रोक-टोक नहीं होगी।

ये मिलेंगी सुविधाएं ग्राहकों को बिना किसी सालाना चार्ज के एटीएम या एटीएम-कम-डेबिट कार्ड मिलेगा। साल में कम से कम 25 पत्रों वाली चेक बुक, फ्री इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग और फ्री पासबुक या मंथली स्टेटमेंट भी मिलेगा। महीने में कम से कम चार बार पैसा निकालना फ्री होगा। डिजिटल पेमेंट- जैसे कार्ड स्वाइप (PoS), NEFT,

RTGS, UPI और IMPS को इन चार बार की लिमिट में नहीं गिना जाएगा।

बैंकों की नहीं चलेगी कोई शर्त ये सुविधाएं ग्राहक के मांगने पर ही मिलेंगी और बैंक इन्हें खाता खोलने या चलाने की शर्त नहीं बना सकते। जिनके पास पहले से बीएसबीडी खाता है, अगर वे रिक्वेस्ट करेंगे तो उन्हें भी ये नई फ्री सुविधाएं मिल जाएंगी। बैंक चाहें तो कुछ एक्स्ट्रा फीचर्स दे सकते हैं लेकिन इसके लिए वे 'मिनिमम बैलेंस' रखने की शर्त नहीं थोप सकते। यह ग्राहक की मर्जी पर होगा कि वे वो फीचर लेना चाहते हैं या नहीं। बीएसबीडी खाता खोलने के लिए कोई पैसा जमा करने की जरूरत नहीं है।

WORLD NEWS | भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने किया साझा अभ्यास,

मुस्लिम मुल्क में साथ आए 'दुश्मन देश'! एक्सपर्ट ने बताया रिश्तों पर असर

तेहरान | तेहरान: भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी का लंबा इतिहास रहा है। दोनों देशों के बीच कई युद्ध हो चुके हैं और वैश्विक मंचों पर भी दोनों एक-दूसरे पर हमलावर रहे हैं। खासतौर से इस साल मई में हुई चार दिन की सैन्य झड़प के बाद तो दोनों देशों के रिश्ते बेहद निचले स्तर पर हैं। इस सबके बीच दोनों देशों की सेनाओं ने एक साथ अभ्यास किया है। ये मुश्किल लगने वाला काम SCO के झंडे के तले ईरान में हुआ है।



हालांकि विश्लेषकों का कहना है कि यह अभ्यास भारत-पाक के रिश्ते में सुधार का नहीं करता है। यह एक संस्थागत मजबूरी है, जिसे दोनों पक्षों ने निभाया है।

ईरान के साहंद में मौजूदा साल (2025) का शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के नेतृत्व में आतंकवाद-निरोध अभ्यास हुआ है। इसमें भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने एक ही मैदान साझा किया।

ईरान में चल रहा अभ्यास यह संयुक्त आतंकवाद-निरोध अभ्यास ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत में दिसंबर की महीने की पहली तारीख को शुरू होकर शुक्रवार (5 दिसंबर) को समाप्त हुआ। SCO के सभी 10 सदस्य देशों-ईरान, चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान, कजाकिस्तान,

किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस ने इसमें भाग लिया है। SCO के आतंकवाद-निरोध अभ्यास 2003 में शुरू हुए थे। इनका मकसद सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय आतंकवाद-निरोध सहयोग को बढ़ाना है। पाकिस्तान और भारत 2018 में इसमें शामिल हुए। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान ऐसे अभ्यासों में भाग ले रहे हैं। इनका उद्देश्य परिचालन समन्वय, खुफिया जानकारी साझा करना और खतरों से निपटना है।

सिर्फ एक कैलेंडर की मजबूरी! टीआरटी के मुताबिक, वरिष्ठ पाकिस्तानी राजनयिक और पूर्व राजदूत आसिफ दुर्रानी का कहना है कि SCO से भारत और पाकिस्तान बंधे हुए हैं। दोनों ही इस तरह के कार्यक्रम से दूर नहीं रह सकते हैं। हालांकि तनावपूर्ण संबंधों को देखते हुए दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बातचीत की संभावना कम है।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर स्वर्ण सिंह कहते हैं कि SCO आतंकवाद-निरोध अभ्यास भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं को एक-दूसरे को जानने का अनूठा अवसर देता है। आतंकवाद भारत-पाकिस्तान तनाव का मुख्य कारण बना हुआ है। इसलिए यह अभ्यास महत्वपूर्ण है।

पाकिस्तान के टुकड़े करके रहेंगे... आर-पार के मूड में मुनीर सेना की गोलाबारी से गुस्साया तालिबान, किया बड़ा ऐलान

काबुल: अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार रात बॉर्डर पर हुए संघर्ष के बाद तालिबान लड़ाकों में गुस्सा है। अफगानिस्तान के स्पिन बोलडक इलाके के तालिबान कमांडर ने पाकिस्तानी आर्मी चीफ असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ को अपनी हरकतों से बाज आने की चेतावनी दी है। अफगान तालिबान के कमांडर ने पाकिस्तानी नेतृत्व को धमकी देते हुए कहा कि आप हमसे उलझे हैं। इसका नतीजा ये होगा कि आपके देश के टुकड़े-टुकड़े कर दिए जाएंगे।



शुक्रवार रात हुई झड़पों में अफगानिस्तान के स्पिन बोलडक इलाके में काफी नुकसान हुआ है। झड़पों के बाद शनिवार को एक तालिबान कमांडर ने स्पिन बोलडक में टूटे हुए गेट के सामने खड़ा होकर कहा कि पाकिस्तान के टुकड़े-टुकड़े किए जाएंगे। अगर यह आज की पीढ़ी नहीं करती है तो हमारे बच्चे यह करेंगे। एक दिन ये जरूर होकर रहेगा। तालिबान कमांडर की धमकी देते हुए वीडियो भी सामने आई है।

अफगानिस्तान में चार की मौत अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज अफगान तालिबान के अधिकारियों ने शनिवार को बताया है कि सीमा पर पाकिस्तानी सेना की ओर से की गई गोलीबारी में उनके चार नागरिकों की मौत हुई है। अफगानिस्तान के दक्षिणी कंधार प्रांत में स्पिन बोलडक बॉर्डर क्रॉसिंग पर तालिबान फोर्स और पाकिस्तानी सेना में ये झड़प हुई है।

World News | भारत के बिना SAARC जैसा नया गुट...

भारत के बिना SAARC जैसा नया गुट... चीन और बांग्लादेश का मिला साथ तो दिन में सपने देखने लगा पाकिस्तान, मिलेगी सफलता?



इस्लामाबाद: पाकिस्तान और भारत के संबंधों में तनाव का एक पुराना इतिहास रहा है लेकिन हालिया महीनों में बांग्लादेश से भी दिल्ली के रिश्ते अच्छे नहीं हैं। बांग्लादेश में मोहम्मद यूनस के नेतृत्व वाली सरकार आने के बाद से पाकिस्तान की ढाका में दरबल काफी ज्यादा बढ़ गई है। वहीं चीन को पाकिस्तान अपना बेहतरीन दोस्त कहता ही है। ऐसे में पाकिस्तान चाहता है कि क्षेत्र में भारत के बगैर एक मजबूत मोर्चा बनाया जाए। यह भारत की क्षेत्रीय अहमियत घटाने की कोशिश के तहत है।

अल जजीरा के मुताबिक, पाकिस्तान के विदेश मंत्री और डिप्टी पीएम इशाक डार ने कहा है कि बांग्लादेश, चीन और उनके देश के बीच शुरू हुई त्रिपक्षीय पहल को दूसरे क्षेत्रीय देशों और उससे भी आगे बढ़ाया जा सकता है। डार का बयान ऐसे समय में आया है, जब दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) भारत-पाकिस्तान के तनाव के चलते निष्क्रिय हो गया है। ऐसे में इसकी जगह नया गुट पाकिस्तान चाहता है, जिसमें भारत ना हो।

मानेंगे दूसरे पड़ोसी देश! इस साल जून में चीन, पाकिस्तान

और बांग्लादेश के राजनयिकों ने क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक विकास और लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर केंद्रित त्रिपक्षीय वार्ता की थी। पाकिस्तान अब इस पर और आगे बढ़ सकता है। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि क्या दक्षिण एशिया के ज्यादातर देश भारत के बिना किसी नए क्षेत्रीय समूह पर सहमत होंगे।

इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसे दक्षिण एशिया की कल्पना करता है, जहां विभाजन की जगह जुड़ाव और सहयोग ले। अर्थव्यवस्थाएं तालमेल से बढ़ें, विवाद अंतरराष्ट्रीय वैधता के अनुसार

शांतिपूर्वक हल हों और जहां गरिमा और सम्मान के साथ शांति बनाए रखी जाए। डार ने भारत पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का आरोप मढ़ा है।

पाकिस्तान की कोशिश काम करेगी? लाहौर विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर सिक्योरिटी (CSSPR) की निदेशक अख्तर ने अल जजीरा से कहा कि यह पाकिस्तान के इरादे को दर्शाता है कि वह क्षेत्रीय सहयोग तंत्र में विविधता लाए। यह जरूरी है क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से चले आ रहे तनाव ने सार्क को तकरीबन खत्म कर दिया है।



दक्षिण अफ्रीका के बार में बैठे लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग, 25 लोगों को मारी गोली, 11 की मौत

केपटाउन: दक्षिण अफ्रीका के एक बार में शनिवार को हुई गोलीबारी की घटना में 11 लोगों की मौत हो गई है। दक्षिण अफ्रीका की पुलिस ने बताया कि देश की प्रशासनिक राजधानी प्रिटोरिया के पास एक टाउनशिप में मास शूटिंग की ये घटना हुई है। हमलावरों की ओर से

बार में बैठे लोगों पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में तीन बच्चों समेत कम से कम 11 लोगों की मौत की पुष्ट अब तक की जा चुकी है।

दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा ने कहा है कि गोलीबारी शनिवार तड़के प्रिटोरिया के पश्चिम में सॉल्सविले टाउनशिप में बिना

लाइसेंस वाले एक बार में हुई। पुलिस ने बताया कि 25 लोगों को शूट किया गया। इनमें से 11 की जान चली गई है, वहीं 14 अन्य लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर होने की बात स्थानीय मीडिया ने कहा है।

रूस-भारत बनाएंगे छठीं पीढ़ी के जेट और बॉम्बर! मॉस्को का FGFA में सहयोग का ऑफर, बदल जाएगी पूरी तस्वीर

मॉस्को: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल ही में भारत का दौर किया है। इससे भारत और रूस के संबंधों में नई गर्माहट आई है। इस बीच रूस की ओर से भारत के साथ फिर से FGFA (फिफ्थ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट) शुरू करने की बात कही गई है। इसमें 6th जेनरेशन के फाइटर एयरक्राफ्ट और अगली पीढ़ी के स्ट्रेटेजिक बॉम्बर का साझा विकास भी शामिल है। यह दोनों देशों के रक्षा सहयोग में अहम कदम हो सकता है।

idrw.org की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी अधिकारियों ने बताया है कि उनकी ओर से भारत को एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। रूस चाहता है कि भारत उसके साथ मिलकर 6वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान और भविष्य के रणनीतिक बमवर्षक विमानों का विकास करे। रूस भारत में इन विमानों के स्थानीय उत्पादन की भी अनुमति देगा।



रूस-भारत रक्षा सहयोग

इस रणनीति का मकसद भारतीय वायु सेना को स्टील्य (रडार से छिपने की क्षमता) तकनीक देना है। यह भविष्य में विमानों के सह-उत्पादन की नींव भी रखेगा। रूसी अधिकारियों ने इस बात पर

जोर दिया कि उनके भविष्य के सैन्य विमानन रोडमैप में अगली पीढ़ी के कार्यक्रम शामिल हैं। वे चाहते हैं कि भारत भविष्य के कार्यक्रम का हिस्सा बने। रूसी अधिकारियों ने यह भी कहा कि कई देश पहले से ही 6वीं पीढ़ी के प्लेटफार्मों पर काम कर रहे

हैं। इन प्लेटफार्मों के शुरुआती प्रोटोटाइप साल 2035 तक तैयार होने की उम्मीद है। रूस यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह इस दौड़ में पीछे ना रह जाए। इसलिए वे भारत को एक भरोसेमंद दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं।

भारत ने खुद को अलग किया था भारत ने इससे पहले FGFA (फिफ्थ जेनरेशन फाइटर एयरक्राफ्ट) परियोजना से खुद को अलग कर लिया था। इसके पीछे लागत, समय-सीमा, स्टील्य प्रदर्शन और तकनीक साझा करने जैसी चिंताएं थी। फिलहाल भू-राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। अगर भारत Su-57E आधारित FGFA फिर से शुरू करने की हरी झंडी देता है तो यह महत्वपूर्ण सह-विकास का आधार बन सकता है।

रूस-भारत के इस कार्यक्रम में 6वीं पीढ़ी के एयर डोमिनेंस प्लेटफॉर्म (हवा में श्रेष्ठता हासिल करने वाले विमान), स्टीलथ स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (रडार से छिपकर हमला करने वाले विमान), उन्नत मानव-मानव रहित टीमिंग सिस्टम (पायलट और ड्रोन की साझेदारी) और भविष्य के लिए बमवर्षक की तकनीक शामिल हैं। यह ब्रह्मोस मिसाइल के साझा कार्यक्रम की तरह से होगा।



नंदिग्राम टाइम्स



Sun 7th, December 2025 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 221 | ● पृष्ठ 04 | ● RNI-MAHHIN/2016/69743 | ● www.nandigramtimes.com

इंदु मिल में आंबेडकर स्मारक: अगले साल 6 दिसंबर तक पूरा करने का वादा — फडणवीस



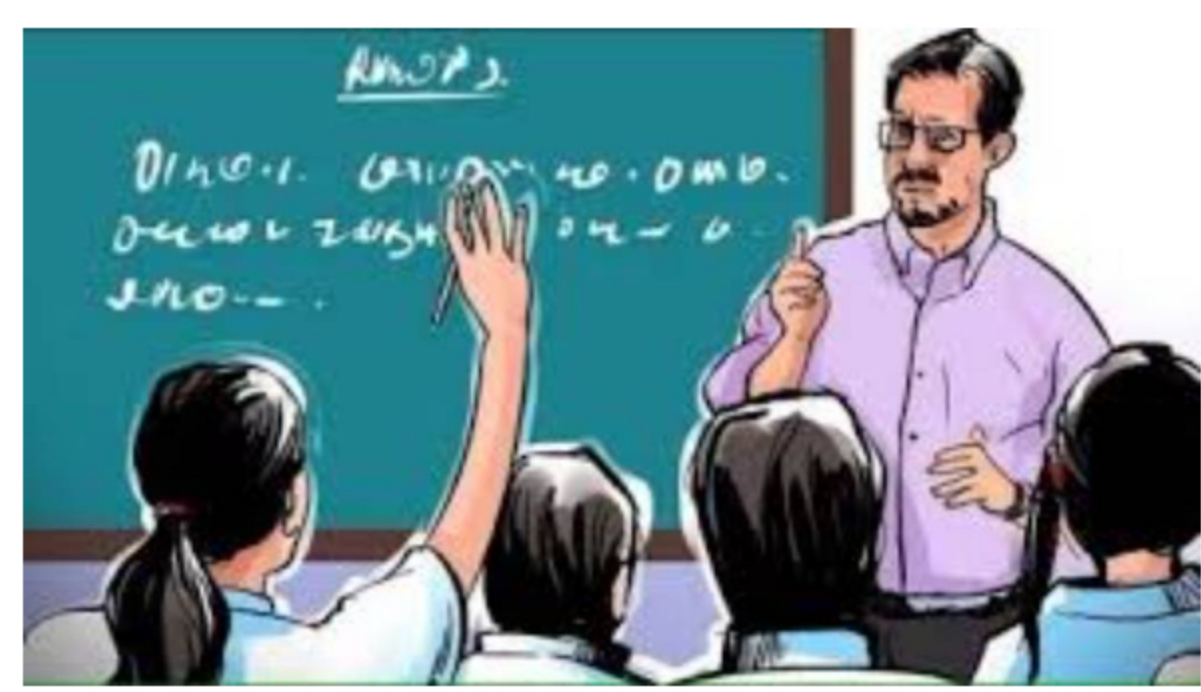
मुंबई, 6 दिसंबर 2025 — देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि दादर स्थित इंदु मिल परिसर में बने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक का निर्माण अगले साल 6 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। सरकार इस भव्य स्मारक को समय पर बनाकर सार्वजनिक समर्पित करने हेतु सभी प्रयास कर रही है।

स्मारक 4.84 हेक्टेयर जमीन पर बनने वाले परियोजना के अन्तर्गत आता है। इसमें 350-फुट ऊँचे पुतले के साथ-साथ 1000-सीट का ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, व्याख्यान हॉल, पार्किंग और अन्य सुविधाएं शामिल होंगी।

काम की प्रगति के बारे में अधिकारियों ने बताया है कि पार्किंग बेसमेंट, प्रवेश द्वार एवं बाह्य विकास कार्यों में अच्छी प्रगति हुई है। राज्य शासन इस स्मारक को समाप्त कर सामाजिक न्याय व समानता के प्रतीक के रूप में स्थापित करने का इरादा रखता है।

महाराष्ट्र | **मैं शिक्षक आंदोलन: स्कूलों पर ताला, शासन ने मांगी रिपोर्ट** **राज्य में शिक्षक आंदोलन का असर: हजारों स्कूल बंद, शिक्षा विभाग अलर्ट, गैर-हाजिरी रिपोर्ट शासन को सौंपा**

पुणे | महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को आयोजित “शिक्षक बंद” आंदोलन के बाद शिक्षा विभाग को विस्तृत गैर-हाजिरी रिपोर्ट सौंप दी गई है। इस रिपोर्ट में पूरे राज्य में बड़ी संख्या में शालाओं के बंद रहने और हजारों शिक्षकों के गैर-हाजिर रहने की जानकारी सामने आई है।



रिपोर्ट के अनुसार, आंदोलन के दिन कुल 2,539 शालाएँ पूर्णतः बंद रही। वहीं, 13,216 शिक्षक बिना अनुमति के अनुपस्थित पाए गए, जबकि 11,329 शिक्षक नियमानुसार हाजिरी नहीं लगा पाए। इस बंद का प्रभाव विशेष रूप से प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शालाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

शिक्षक संघों ने इस आंदोलन के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। प्रमुख मांगों में— नियुक्त शिक्षकों पर अनिवार्य TET (शिक्षक पात्रता परीक्षा) लागू न करना, हाल में लागू किए गए संचालन संबंधी शासन निर्णय वापस लेना, पुरानी पेंशन योजना पुनः लागू करना, शिक्षक कर्मचारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया तेज करना तथा कॉन्ट्रैक्ट आधारित नियुक्तियों पर रोक लगाना शामिल था।

हालांकि आंदोलन से एक दिन पहले ही राज्य सरकार ने स्पष्ट निर्देश जारी किए थे कि 5 दिसंबर को सभी शालाएँ नियमित रूप से संचालित होंगी। शिक्षा विभाग ने यह भी चेतावनी दी थी कि यदि कोई शिक्षक या कर्मचारी बिना अनुमति अनुपस्थित पाया गया, तो उसके एक दिन का वेतन काटा जाएगा तथा आवश्यकतानुसार शिस्तभंग की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी निर्देशों के बावजूद, राज्यभर में हजारों शिक्षक आंदोलन में शामिल हुए, जिससे कई जिलों में शैक्षणिक कार्य बाधित रहा। शिक्षा विभाग अब संबंधित जिलों से विस्तृत समीक्षा रिपोर्ट मांग रहा है— जिसमें यह स्पष्ट होगा कि कितनी शालाओं में पढ़ाई प्रभावित हुई और विद्यार्थियों को कितना शैक्षणिक नुकसान हुआ।

शासन की अगली कार्रवाई और शिक्षक संघों से होने वाली चर्चा अब इस पूरे विवाद के समाधान की दिशा तय करेगी।

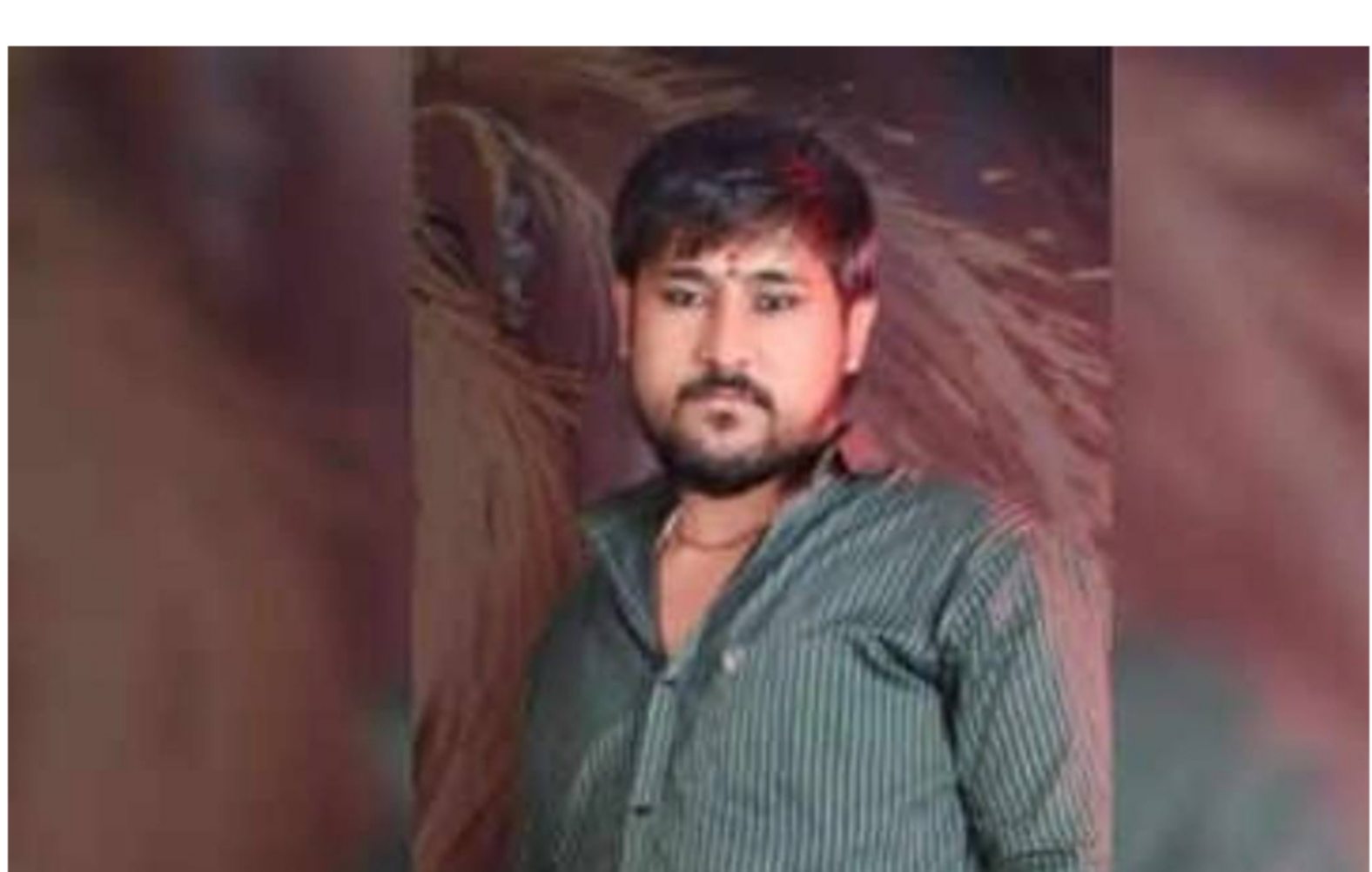


डॉ. आंबेडकर के आदर्शों का पालन सभी का कर्तव्य: नांदेड पुलिस अधीक्षक अभिनाश कुमार

नांदेड, 6 दिसंबर 2025 — महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नांदेड जिले के पुलिस अधीक्षक अभिनाश कुमार ने शनिवार दोपहर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को विनम्र अभिवादन कर उनके विचारों को नमन किया। नांदेड रेलवे स्टेशन के सामने आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने मीडिया से कहा कि डॉ.

आंबेडकर के आदर्श भारतीय लोकतंत्र की नींव हैं और हर नागरिक को उनके मार्गदर्शन का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समता, न्याय और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। आंबेडकर का जीवन संघर्ष और संविधान निर्माण में उनका ऐतिहासिक योगदान युवाओं के लिए प्रेरक है।

कार्यक्रम में नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई थी। पुलिस अधीक्षक ने सभी से आंबेडकर के आदर्शों को समाज में आत्मसात करने की अपील की।



जवान रोहित की दर्दनाक मौत; एक साल पहले हुआ विवाह, गर्भवती पत्नी और माता-पिता पर टूटा दुखों का पहाड़

नांदेड में गुरुवार, 4 दिसंबर को घटित हुई एक हादसों भरी घटना ने पूरे इलाके को दहला दिया। खेत में काम करने पहुंचे 23 वर्षीय रोहित मंडले की बिजली के तेज झटके से मौके पर ही मौत हो गई। वर्षभर पहले ही उसका विवाह हुआ था और उसकी पत्नी गर्भवती है। इससे पहले परिवार ने बड़े बेटे को भी एक दुर्घटना में खो दिया था। अब घर का एकमात्र कमावता सदस्य भी चला गया, जिससे माता-पिता और पत्नी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रोहित मूलतः पुराने नांदेड के बुरुड गली, नावघाट का निवासी था और मेहनत मजदूरी करके घर चलाता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामस्थों और परिजनों ने सरकार से आर्थिक सहायता और रोहित की पत्नी को शासकीय नौकरी देने की मांग की है, ताकि परिवार को सहारा मिल सके।

गया, जिससे माता-पिता और पत्नी पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। रोहित मूलतः पुराने नांदेड के बुरुड गली, नावघाट का निवासी था और मेहनत मजदूरी करके घर चलाता था। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामस्थों और परिजनों ने सरकार से आर्थिक सहायता और रोहित की पत्नी को शासकीय नौकरी देने की मांग की है, ताकि परिवार को सहारा मिल सके।



नांदेड: देशभर में मतदाता सूची की गड़बड़ियों को लेकर उठ रहा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इसी कड़ी में नांदेड वाघाळा शहर महानगरपालिका चुनाव के लिए जारी की गई प्रारूप मतदाता सूची ने भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नांदेड शहर में जारी इस सूची में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि करीब 2,800 मतदाताओं के पते निजी कोचिंग क्लासों और महाविद्यालयों के दर्ज किए गए हैं।

नांदेड मनपा मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी: 2800 क्लास एड्रेस, 800 बंगाल के कारीगर

नांदेड शहर में जारी इस सूची में चौकाने वाला खुलासा हुआ है कि करीब 2,800 मतदाताओं के पते निजी कोचिंग क्लासों और महाविद्यालयों के दर्ज किए गए हैं। शहर के प्रभाग क्रमांक 5 में दो प्रसिद्ध कोचिंग संस्थानों के पते पर ही 1,600 से अधिक मतदाताओं के नाम दर्ज हैं, जबकि एक फार्मसी कॉलेज के पते पर 400 से ज्यादा मतदाताओं को जोड़ दिया गया है। यह खुलासा होने के बाद राजनीतिक दलों में हड़कंप मचा हुआ है।

सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2023 के मतदाता नांदेड अभियान के दौरान प्रशासन ने बड़ी संख्या में कॉलेजों व कोचिंग क्लासों में पढ़ने वाले छात्रों के मतदाता पहचान पत्र इन संस्थानों के पते पर बना दिए। ये विद्यार्थी अलग-अलग जिलों और राज्यों से पढ़ाई के लिए नांदेड आए थे। स्थायी निवासी न होने के बावजूद उन्हें

मतदाता पहचान पत्र कैसे जारी कर दिए गए? इस पर मनसे ने सवाल उठाए हैं। मनसे जिलाध्यक्ष रवि राठोड़ ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से की है और आशंका जताई है कि इनमें से कई विद्यार्थियों ने 2024 के चुनाव में मतदान भी किया होगा।

यही नहीं, पुराने नांदेड क्षेत्र की मतदाता सूची में भी भारी अनियमितताएँ सामने आई हैं। सराफा बाजार इलाके में पश्चिम बंगाल से आए करीब 800 कारीगरों के नाम नांदेड के मतदाता के रूप में शामिल पाए गए हैं, जबकि वे स्थानीय निवासी नहीं हैं। इसके अलावा लगभग 1,200 मतदाता नामों का दोहराव (डुप्लीकेशन) तथा सैकड़ों नामों के आगे घर का पता तक नहीं दिया गया है।

इन खुलासों के बाद राजनीतिक पार्टियों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप

लगाए हैं। सबसे पहले कांग्रेस ने इन त्रुटियों पर आपत्ति जताई थी। अब शिवसेना (शिंदे गुट), मनसे और अन्य दलों ने भी पूरी मतदाता सूची की विस्तृत जांच और संशोधन की मांग की है।

शिवसेना (शिंदे गुट) के शहर प्रमुख तुलजेश यादव का कहना है— “यह मामला सिर्फ त्रुटियों का नहीं, बल्कि मतदाता बढ़ाने के नाम पर की गई बड़ी लापरवाही और संभावित हेरफेर का संकेत देता है। नगर निगम चुनाव से पहले पूरी मतदाता सूची की पुनः जांच आवश्यक है।”

स्थानीय संगठनों के दबाव के बीच अब नागरिक प्रशासन के सामने यह बड़ी चुनौती है कि वे इस सूची को पारदर्शी, त्रुटिरहित और विश्वसनीय बनाएं ताकि आगामी महापालिका चुनाव निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।

संवाददाता चाहिए

नंदिग्राम टाइम्स,
दैनिक समाचार पत्र, नांदेड को
महाराष्ट्र और नांदेड जिले के प्रत्येक
तालुका और शहर से संवाददाता की
आवश्यकता है।
यदि आप समर्पित, उत्साही और
अवसर की तलाश में उभरते या
अनुभवी पत्रकार हैं, तो हमसे तुरंत
व्हाट्सएप पर संपर्क करें।
आपकी कलम ही हमारी ताकत है!

संपर्क करें
+919921100075
email id-
ntinfodesk@gmail.com

कम छात्रसंख्या वाली 150 स्कूलों पर संकट गहराया, ग्रामीण बच्चों की शिक्षा पर खतरा

होने का संकट मंडरा रहा है। शिक्षा विभाग ने इन कम छात्रसंख्या वाली स्कूलों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है और इसी संदर्भ में एक पत्र भी जारी किया गया है। हालांकि कई स्कूलों से अभी पूर्ण जानकारी प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन यह स्पष्ट है कि जिले की दर्जनों स्कूलें बंदी की कगार पर पहुंच चुकी हैं।
सरकार ने 10 से कम छात्रों वाली स्कूलें बंद करने का तथा 20 छात्रों वाली स्कूलों में शिक्षक समायोजन न करने का निर्णय लागू किया है। कई स्थानों पर छात्रों को नजदीकी गांव के स्कूलों में

मर्ज करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। यह कदम ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं वंचित परिवारों के बच्चों की शिक्षा के अधिकार का सीधा उल्लंघन माना जा रहा है।
शिक्षण अधिकार कानून (RTE) और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21-A के अनुसार प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। ऐसे में गांवों की कम छात्रसंख्या वाली स्कूलों को स्थायी रूप से बंद करना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि शिक्षा के सार्वजनिककरण

की नीति को भी कमजोर करता है।
कई गांव मात्र 100-150 की आबादी वाले हैं, जहां प्राथमिक स्कूल ही बच्चों की एकमात्र शैक्षणिक सुविधा है। इन छोटे बच्चों का प्रतिदिन पड़ोसी गांव तक आना-जाना संभव नहीं है। वहीं, शिक्षकों के “समायोजन” और छात्रों के “विलय” जैसे शब्दों के पीछे मूल समस्या यह है कि कम छात्रसंख्या के कारण होने वाले वित्तीय बोझ को सरकार बच्चों की शिक्षा पर क्यों थोप रही है—इस प्रश्न का उत्तर अब भी अनसुना है।

हदगाव के कुंटनखाने पर अर्धापुर पुलिस की मध्यरात्रि छापेमारी;

महिलाओं को बंदी बनाकर चल रहा था देह व्यापार

हदगाव (संवाददाता)
हदगाव शहर के नई आबादी क्षेत्र स्थित वाजपेयी नगर में बंदी बनाकर देह व्यापार चलाए जाने की सूचना जिला पुलिस अधीक्षक अभिनाश कुमार को मिली थी। जानकारी की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने अर्धापुर पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर कदम के नेतृत्व में विशेष पथक गठित कर गुरुवार मध्यरात्रि तीन ठिकानों पर छापेमारी के आदेश दिए।
पुलिस द्वारा भेजे गए एक नकली ग्राहक ने 500 रुपये देकर अंदर प्रवेश किया और जैसे ही संकेत दिया, दबे पांव इंतजार कर रही टीम ने अचानक धाड़ डाली। एक कमरे में एक महिला और दो पुरुष आपत्तिजनक परिस्थितियों में

मिले। कुल दस व्यक्तियों को मौके से गिरफ्तार किया गया, जिनमें हदगाव, अकोला, वाशिम और हिंगोली के निवासी शामिल हैं।
चौकाने वाली बात यह रही कि गिरफ्तार हुए व्यक्तियों में 16 दिसंबर को विवाह होने वाला एक नियोजित वर भी शामिल था, जो निमंत्रण पत्र बांटने के बहाने हदगाव आया था।
इस कुंटनखाने पर पहले भी तीन बार कार्यवाई हो चुकी है, फिर भी गतिविधियाँ पुनः शुरू हो जाने से नागरिकों में रोष है। अर्धापुर पुलिस द्वारा की गई कार्यवाई को लेकर हदगाव पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि यह ऑपरेशन सीधे अर्धापुर टीम को सौंप जाने की चर्चा जोर पकड़ रही है।